



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-02-2025

इटवा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-02-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-02-26	2025-02-27	2025-02-28	2025-03-01	2025-03-02
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	1.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	31.0	32.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	14.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	68	79	76
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	37	37	36	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	1	4	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	280	252	0	62	48
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	3	6	5	3
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफान आदि	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण दिनांक 01.03.2025 को स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं, गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 29.0- 31.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 3-4°C अधिक होने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 11.0-16.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 2-3°C अधिक होने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 75-80 एवं 39-43% के मध्य है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व है तथा हवा की गति 4.0-8.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 1-2 किमी प्रति घंटा तेज होने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 01.03.2025 को आंधी-तूफान, बिजली गिरने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की स्थिति भिंडी, तरोई, कद्दू लौकी, खीरा, ककड़ी और ग्रीष्मकालीन मक्का, उर्द की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल रहने की संभावना है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की

कटाई कर दाने को सुरक्षित स्थान पर रखें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे रबी में बोई गई फसलों एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें साथ ही जायद मक्का, उर्द एवं ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। प्याज में थ्रिप्स कीट एवं बैंगनी धब्बा रोग के संक्रमण की रोकथाम के लिए नियमित रूप से फसलों पर निगरानी रखने की सलाह दी जाती है। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

सरसों एवं आलू की परिपक्व फसलों की कटाई एवं गेहूँ व अन्य फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें साथ ही जायद मक्का, उर्द एवं ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की फसल में चौथी सिंचाई 80-85 दिन बाद (बाली निकलने के पूर्व) करें। गेहूँ की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर ज़िंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
सरसों	सरसों की फलियाँ 75 % सुनहरे रंग की हो जाने पर फसल की कटाई करें। सरसों के फसल की कटाई के बाद फसल को सूखा कर मड़ाई करने के पश्चात बीज को अलग कर लें। सरसों की फसल में माँहू, चित्रित वग एवं पत्ती सुरंगक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफास 20 % ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर या मोनोक्रोटोफॉस 36 % एस.एल.की 500 मिली० /हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
फील्ड पी	मटर की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
चना	चने की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
मक्का	जायद मक्के की संस्तुति संकुल प्रजातियां- तरूण, नवीन, माही, कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं शंकर प्रजातियां- प्रकाश, दिकाल्ब- 7074, दिकाल्ब- 9108,दिकाल्ब- 9208, दिकाल्ब- 9141, दिकाल्ब- 9165, दिकाल्ब- 9217, पीएचबी- 8144, पीएचबी- 1899, दक्कन 115, एम.एम.एच.-१३३ आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए २०-२५ किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति १८-२० किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
काला चना	जायद उर्द की संस्तुति जातियां- टा-9 , नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, आजाद उर्द-2, शेखर-2, सुजाता , पी यू-40 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। जायद उर्द के फसल की बुवाई के लिए २५-३० किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बीज की बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू के फसल की खुदाई के लिए मौसम अनुकूल है। आलू के फसल की खुदाई के 15-20 दिन पूर्व फसल की लॉक को काट दे, जिससे कन्द के छिल्के मजबूत हो जाय और आलू के सड़ने की संभावना कम हो जाती है।
भिण्डी	प्याज की फसल में बैंगनी धब्बा रोग का प्रकोप 28 - 30 डिग्री सेल्सियस तापक्रम तथा 80 - 90 % सापेक्षिक आर्द्रता की स्थिति पर यह रोग अधिक प्रभावित होता है अतः इसके रोकथाम हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.3 % (3 ग्राम /लीटर पानी) अथवा मैकोजेब 0. 25 % (0. 25 ग्राम /लीटर पानी) की दर से घोलबनाकर 15 -20 दिन के अन्तराल पर 3-4 छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जियों जैसे- भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई करें।
आम	आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई सी 2.0 मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान 50 ई सी 3.0 मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं के व्याने के बाद 750 ग्राम सरसो का तेल, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम जीरा , 500 ग्राम गुड़ के मिश्रण की ओटी बनाकर सुबह - शाम तीन दिन तक खिलाये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें, जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 01.03.2025 को आंधी-तूफान, बिजली गिरने की संभावना है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की स्थिति भिंडी, तरोई, कद्दू लौकी, खीरा, ककड़ी और ग्रीष्मकालीन मक्का, उर्द की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल रहने की संभावना है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई कर दाने को सुरक्षित स्थान पर रखें।

Farmers are advised to download Unified "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightning.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>